केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 38 बुधवार 27 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ग्रामीणों ने प्रेमी–प्रेमिका की मंदिर में करा दिया शादी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मुंडेरवा थानाक्षेत्र स्थित एक गांव के बाहर बातचीत करते पकड़े गए प्रेमी–प्रेमिका की ग्रामीणों ने काली मंदिर में शादी करा दी। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लड़की को नाबालिग बताया जा रहा है। हालांकि 'आभा' वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। मुंडेरवा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में एक युवक अपनी नाबालिग प्रेमिका से मिलने पहुंचा। वह गांव के बाहर एक ईंट–भट्ठे पर प्रेमिका को बुलाया और उसके साथ बैठकर बातें करने लगा। इसकी जानकारी गांव के लोगों को हुई। कुछ ग्रामीणों ने प्रेमी–प्रेमिका को पकड़ लिया।

युवक के परिवारीजन भी वहां बुला लिए गए। काफी देर तक बहस के बाद रात में तकरीबन नौ बजे दोनों पक्षों में सुलह करा दी गई। ग्रामीणों ने दोनों की काली मंदिर में शादी करा दी। प्रेमी–प्रेमिका की मंदिर में शादी कराए जाने की जानकारी पुलिस को हुई। पुलिस को यह भी मालूम हुआ कि लड़की नाबालिग है। विवाह का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। । इस सम्बंध में सीओ स्वर्णिमा सिंह ने कहा कि जानकारी मिली है। एसओ को निर्देश दिया गया है। एसओ ने दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया है।

वाहन की ठोकर से बंदर की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर थानाक्षेत्र में वाल्टरगंज मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन की ठोकर लगने से एक बंदर की मौत हो गई। पशु चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों के पहुंचने पर ग्रामीणों ने बंदर का शव दफना दिया। गौर–वाल्टरगंज मार्ग पर दोपहर में एक तेज रफ्तार वाहन की ठोकर लगने से एक बंदर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने बंदर को घायल होते देखा और वे दौड़कर मौके पर पहुंच गए। लोग घायल बंदर को इलाज कराने के लिए अस्पताल ले जाने का उपक्रम कर रहे थे कि उसकी मौत हो गई। किसी ने हादसे में बंदर की मौत की सूचना पशु चिकित्साधिकारी सल्टौआ, गोपालपुर डॉ. विजय श्रीवास्तव को दी।

पशु चिकित्साधिकारी के निर्देश पर मौके पर पशुधन प्रसार अधिकारी अभिषेक वर्मा पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मदद से बंदर का शव दफनवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि राहगीरों द्वारा सड़क के किनारे चना और लाई बंदरों को खिलाने के लिए फेंक दिया जाता है। लाई–चना खाने के लिए बंदरों का झुंड सड़क पर इकठ्ठा हो जाता है। अब तक कई बंदरों की तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से मौत हो चुकी है।

स्कूल के पास से बाइक चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर में श्री महादेव शुक्ल कृषक इंटर कॉलेज के एक छात्र की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। करमहवा निवासी विश्वमित्र के पुत्र अक्षय कुमार 21 अगस्त को अपनी बाइक से स्कूल गए थे। अक्षय ने सुबह 8 बजे अपनी मोटरसाइकिल स्कूल गेट के बाहर खड़ी की थी। जब दोपहर 12 बजे स्कूल की छुट्टी हुई, तो उनकी बाइक वहां से गायब थी। छात्र ने आसपास खोजबीन की और मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली।

चोरी हुई मोटरसाइकिल हीरो स्प्लेंडर 2021 मॉडल की है। बाइक काले और सफेद रंग की है। गौर थानाध्यक्ष परमहंस यादव ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच कर रही है।

उदयगिरि, आईएनएस हिमगिरि नौसेना में शामिल

हिंद महासागर में चल रहा है शक्ति प्रदर्शन–राजनाथ

विशाखापत्तनम (आभा)। भारतीय नौसेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हुआ है। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ी है। भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि का जलावतरण हमारी दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का

भी प्रमाण है। मैं इस अवसर पर भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं। इनमें लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण प्रणाली लगाई जा सकती हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में गेम–चेंजर साबित होंगे।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आईएनएस हिमगिरि और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आईएनएस उदयगिरि दोनों आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है।

उन्होंने कहा कि आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना के लिए अंतिम विदेशी ऑर्डर था। हमने निर्णय लिया है कि भारतीय नौसेना के लिए भविष्य में कोई भी जहाज विदेश में नहीं बनाया जाएगा। हम अपने जहाज भारत में ही बनाएंगे। यह रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत ही निर्णायक कदम है। इन युद्धपोतों के जलावतरण के साथ भारतीय नौसेना ने एक शताब्दी पूरी कर ली है। आज स्वदेशी F35 युद्धपोत भी लॉन्च किया गया है। एक देश के पास उड़ने वाला F–35 है और आपने तैरता हुआ F35 बनाया है, वह भी भारत में निर्मित।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में चल रहा शक्ति–खेल हमें बार–बार सचेत करता है। यहां कई देशों के हित टकराते हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी समुद्री तैयारी मजबूत बनी रहे।

वोट अधिकार यात्रा में राहुल के साथ प्रियंका गांधी भी शामिल

सुपौल (आभा)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के तहत 65 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम काटे जाने के खिलाफ चल रही वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुई। यह यात्रा, जिसका नेतृत्व राहुल गांधी और तेजस्वी यादव कर रहे हैं, दसवें दिन यात्रा सुपौल जिले से शुरू हुई. वोटर अधिकार यात्रा मधुबनी होते हुए दरभंगा बेस कैंप तक पहुंची। प्रियंका गांधी के इस यात्रा में शामिल होने से कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है. इस यात्रा में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी समेत इंडिया गठबंधन के अन्य नेता शामिल हुए.

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अमित शाह कई बार कह चुके हैं कि भाजपा सरकार 40–50 साल तक चलेगी. मैं सोचने लगा कि उन्हें कैसे पता कि वे 40–50 साल तक सत्ता में रहेंगे? यह एक अजीब बयान था. आज देश के सामने सच्चाई आ गई है कि वे (भाजपा) 'वोट चोरी' करते हैं. इसकी शुरुआत गुजरात से हुई, फिर 2014 में यह राष्ट्रीय स्तर पर आया और फिर दूसरे राज्यों में भी. मैं झूठ नहीं बोलता, मैं तभी कुछ कहता हूं जब मेरे पास तथ्य होते हैं।

वोटर अधिकार यात्रा के तहत मधुबनी में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला किया. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की वजह से हमलोग महाराष्ट्र में हारे हमलोग जीत रहे थे तभी अचानक मतदाताओं की संख्या में इजाफा हुआ. यही हाल बिहार में होने वाला है. अभी 65 लाख मतदाता काटे गए हैं. आने वाले वक्त में 65 लाख मतदाता जोड़े जाएंगे।

मधुबनी में कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा कि सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा है. लोग निराश और हताश थे लेकिन राहुल गांधी उनकी आवाज बने और वोटर अधिकार यात्रा के जरिए लगातार लोगों के बीच हैं. प्रियंका गांधी भी यात्रा में शामिल हुई. महिलाएं बड़ी संख्या में आई और अपने वोट कटने की बात कही।

फुलपरास में कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा बौखलाई है और छटपटाई है लेकिन वो जान ले कि लोगों की वोट चोरी करना राष्ट्रद्रोह है. लोगों की वोट पर डाका डालना प्रजातंत्र, लोकतंत्र पर हमला है. लोगों के अधिकार और वोट के अधिकार को खत्म करना इस देश के संविधान पर बुलडोजर चलाना है. राहुल गांधी के नेतृत्व में सभी विपक्षी दल इस लड़ाई को एक स्वर से लड़ रहे हैं.

प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता का विश्वास खो चुकी भाजपा देश भर में वोट चोरी की साजिशें रच रही है. बिहार में महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, आर्थिक संकट समेत हर मोर्चे पर नाकाम बीजेपी–जेडीयू सरकार जनता का वोट चुरा कर सत्ता में बने रहना चाहती है. लाखों गरीब और वंचित नागरिकों से वोट का अधिकार छीना जा रहा है. संविधान ने हर एक भारतीय को वोट का अधिकार दिया है. यह अधिकार कोई भी ताकत छीन नहीं सकती है. गरीब जनता का एक भी वोट चोरी नहीं होने देंगे।

पत्नी से विवाद में इंजीनियर ने हाथ की नस काटकर जान दिया

लखनऊ (आभा)। 42 साल के इंजीनियर अतुल तिवारी ने हाथ की नस काटकर आत्महत्या कर ली। उनका शव घर की पहली मंजिल पर पड़ा मिला। जानकारी के मुताबिक शव तीन से चार दिन पुराना है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

यूपी के लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां गोमतीनगर के विरामखंड में रहने वाले 42 साल के इंजीनियर अतुल तिवारी ने हाथ की नस काटकर आत्महत्या कर ली। उनका शव घर की पहली मंजिल पर पड़ा मिला। जानकारी के मुताबिक शव तीन से चार दिन पुराना है। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गई।

ये मामला गोमती नगर के विरामखंड का है। पुलिस के अनुसार मृतक का पत्नी से विवाद चल रहा था। इसी तनाव के बीच उन्होंने यह कदम उठाया। अतुल की मां घर के भूतल पर रहती थीं। जब घर से तेज दुर्गंध आने लगी तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद दरवाजा तोड़कर शव बरामद किया। अतुल, प्रतापगढ़ की रानीगंज सीट से पूर्व विधायक धीरज ओझा के भांजे बताए जा रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर भूस्खलन से 5 लोगों की मौत, 14 घायल

जम्मू (आभा)। माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में बड़ा हादसा हो गया। खबर है कि भूस्खलन के चलते 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जम्मू और कश्मीर में भारी बारिश का दौर जारी है। हाल ही में भारी बारिश के चलते यात्रा को अगले आदेश तक रोक दिया गया था। साथ ही भारत मौसम विज्ञान विभाग ने भी रेड अलर्ट जारी किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्द्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव कार्य जारी है। घटना दोपहर 3 बजे घटी। खास बात है कि यात्रा को सुबह ही रोक दिया गया था, लेकिन पुराने मार्ग पर दोपहर 1 बजकर 30 मिनट तक यह जारी थी। हालांकि, बाद में इसपर भी खराब मौसम के चलते अस्थाई रूप से रोक लगा दी गई थी। जम्मू में बीते तीन दिनों से लगातार बारिश जारी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि भारी बारिश के बाद जम्मू के विभिन्न हिस्सों में स्थिति काफी गंभीर है और उन्होंने प्रशासन को हाई अलर्ट बनाए रखने का निर्देश दिया।

जान से मारने की नीयत से गांव पहुंच गये बदमाश

एसपी से दूसरी बार लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। सिद्धार्थनगर जनपद के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के सुर्जी निवासी रामकेवल पुत्र मनिराम ने पुलिस अधीक्षक को पुनः पत्र देकर सोनहा थाने में दर्ज एक मामले में न्याय की गुहार लगाया है। मंगलवार को दिये पत्र में रामकेवल ने कहा है कि एसपी को 13 अगस्त को पत्र देने के बाद 18 अगस्त को शैलेष बदमाशों की टीम के साथ उनके गांव सुर्जी परसा चौराहे पर असलहे के साथ पहुंच गया और रूपया न मिलने पर जान से मारने की धमकी दिया। लोगों के आ जाने पर उसकी जान बची।

एसपी और डीजीपी को दिये पत्र में रामकेवल ने कहा है कि सोनहा थाना क्षेत्र के परसाखुर्द बुर्जुग दरियापुर जंगल टोला सोनहटिया/ बिचऊपुर निवासी पुजारी और शैलेष ने षड़यंत्रपूर्वक बलात्कार का मुकदमा दर्ज करा दिया है। यह मामला पास्को न्यायालय में चल रहा है। पुजारी और शैलेष ने रामकेवल से 20 लाख रूपये की मांग करते हुये कहा कि रूपया दे दो वरना पीड़िता का अदालत में बयान करा देंगे और तुम्हें सजा मिल जायेगी। रामकेवल ने पत्र में कहा है कि वह 20 लाख रूपये देने की हैसियत में नही है। अदालत जो फैसला सुनायेगी उसे मंजूर है। रामकेवल ने पत्र में कहा है कि पुजारी और शैलेष आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उनके विरूद्ध कई गंभीर आपराधिक मुकदमें पहले से दर्ज है। उक्त लोग 20 लाख रूपया न देने पर जान से मार देने की धमकी दे रहे हैं। रामकेवल ने अपने और परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

बसपा के मण्डल प्रभारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बहुजन समाज पार्टी को और मजबूत करने के उद्देश्य से संगठन विस्तार का क्रम जारी है। बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गौतम ने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री बहन मायावती के निर्देश पर रामसूरत चौधरी, बनवारी लाल कन्नौजिया, पृथ्वी राज चौहान और सुरेश बेलदार को बस्ती मण्डल का मण्डल प्रभारी घोषित किया गया है। बसपा जिलाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि निश्चित रूप से मण्डल प्रभारीगण बहन जी के नीति, कार्यक्रम और बसपा के संदेश से लोगों को जोड़ते हुये पार्टी को मजबूती देंगे।

मण्डल प्रभारियों की घोषणा पर जिला प्रभारी संजय धुसिया, राम सागर के साथ ही आशुतोष सिंह, जुगुल किशोर चौधरी, आलीम अहमद, विष्णु आनन्द, दीपक कुमार, शिवराम कनौजिया, राजीव कनौजिया, वीरेंद्र चौहान, भूपेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, रंजीत कुमार,आदित्य राना, मोहन, के.पी राठौर, अनूप, उमाशंकर राव, बलराम चौहान, डॉक्टर बुधीराम चौहान, ईश्वर चंद्र, अजय चौहान, मनेंद्र चौहान, नंदलाल, अनिल कुमार कनौजिया, मंगेश कुमार, अशोक कुमार, राम सुमिरन, शैलेंद्र, सुनील, उमाशंकर, कैलाश नाथ, प्रकाश कुमार, अनिल चौहान, आसाराम चौहान, राम बहाल चौहान, पवन कुमार चौहान, मनीराम चौहान आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

मनोज कुमार अध्यक्ष, दिनेश चन्द महामंत्री बनेः जायसवाल धर्मशाला का होगा कायाकल्प

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मंगलवार को जायसवाल समाज सेवा समिति की बैठक संरक्षक जमुना प्रसाद जायसवाल ,कपिल जायसवाल, विश्वनाथ जायसवाल, संजय जयसवाल, राजेन्द्र कुमार जायसवाल की संयुक्त अध्यक्षता में पाण्डेय बाजार बस्ती रोड स्थित प्रताप मैरिज हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में जायसवाल समाज की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा के साथ ही पदाधिकारियों की घोषणा की गई।

बैठक सर्वसम्मत से मनोज कुमार जायसवाल जिलाध्यक्ष , कुलदीप जायसवाल, राजीव जायसवाल ,संजय जायसवाल, राकेश जायसवाल जिला उपाध्यक्ष, दिनेश चंद जायसवाल महामंत्री , जमुना प्रसाद जायसवाल ,मनोज जायसवाल, श्यामसुंदर जायसवाल ,हनुमान जायसवाल, विनोद जायसवाल उप महामंत्री, हरिहर प्रसाद जायसवाल कोषाध्यक्ष, प्रमोद जायसवाल उपकोषाध्यक्ष, रामकृष्ण जायसवाल ,अभिषेक जायसवाल संगठन मंत्री गणेश जायसवाल प्रचार मंत्री, अजीत जायसवाल लेखाकार विश्वनाथ जायसवाल, संजय जायसवाल मीडिया प्रभारी घोषित किये गये। राधेश्याम जायसवाल को युवा संगठन का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया है।

युवा संगठन का विस्तार करते हुए नगर अध्यक्ष के रूप में सचिन जायसवाल और सत्य प्रकाश जायसवाल मुण्डेरवा नगर अध्यक्ष घोषित किया गया।

जिलाध्यक्ष घोषित किये जाने के बाद मनोज जायसवाल ने कहा कि जायसवाल समाज को आगे ले जाने के लिए तन मन धन से संगठन निरंतर काम करेगा । समाज के पीड़ित शोषित व्यक्तियों एवं समाज के गरीब बेटियों के शादी ब्याह के लिए भी संगठन बढ़ चढ़कर हिस्सा लेगा साथ ही जायसवाल सेवा समिति द्वारा जायसवाल धर्मशाला का फिर से कायाकल्प किया जाएगा । इस अवसर पर बड़ी संख्या में जायसवाल समाज के लोग उपस्थित रहे।

चिकित्सा शिविर में 53 मरीजों को मिला परामर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
भानपुर, (बस्ती)। मंगलवार को भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के सोनहा डाकबंगले पर भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा एवं नियो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं दवा वितरण का आयोजन किया गया। निःशुल्क शिविर में कुल 53 रोगियों की जांच कर दवा वितरित किया गया।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश शुक्ल ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ्य शरीर लंबे जीवन का आधार है। हम सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। यह आयोजन क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए बेहतर साबित होगा। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर ओमप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ साथ जनता का स्वास्थ्य रहना भी बहुत जरूरी है। हम सभी को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए। यदि समय पर स्वास्थ्य की जांच कर कर रोग का पहचान हो जाए तो बड़े से बड़े रोग आसानी से ठीक हो जाते हैं।

कार्यक्रम के आयोजक भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने कहा कि निःशुल्क मेडिकल कैंप के माध्यम से क्षेत्र के गांव गांव में पहुँचकर जनता को सीधे लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। जब शरीर स्वस्थ्य रहेगा तो जीवन में खुशहाली बनी रहेगी। कैंप में डॉ. शरद श्रीवास्तव के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम ने रोगियों का वायरल फीवर, दर्द, बीपी, शुगर आदि की जांच की और उचित परामर्श एवं दवा दिया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता गोष्ठी का आयोजन रूरल अवेयरनेस फॉर कम्युनिटी इवोल्यूशन एवं युवा विकास समिति के द्वारा किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. राम जी शुक्ल ने कहा कि अनियमित दिनचर्या और अनुचित खान पान के कारण हृदयरोग के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

टीम में कमला सिंह, बृजेश पांडेय, अमरनाथ तिवारी, प्रीति, शालिनी, पुष्पा, राजेंद्र बारी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा किसान मोर्चा के भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर रामभारत यादव, फूलराम वर्मा, दिलीप पांडेय, उदय प्रकाश पांडेय, लालजी, जगदीश यादव, रामरूप यादव, राममिलन, जेके पांडेय, पुष्पा, निर्मला, आशा, राम स्वरूप, हसन अली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

10 साल से मुर्दा कर रहा है मनरेगा में मजदूरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। कुदरहा विकास खंड की ग्राम पंचायत बगही में 10 साल से एक 'मुर्दा मनरेगा' में मजदूरी कर रहा है। उसके नाम से जॉबकार्ड जारी है और वह एक्टिव भी है। उसके बैंक खाते मनरेगा की मजदूरी भेजी जा रही है। ग्रामीणों की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। गांव के दुक्खी का निधन तकरीबन 10 वर्ष पहले हो चुका है। नियमतः निधन के बाद उनका मनरेगा का जॉबकार्ड निरस्त करा दिया जाना चाहिए था। दुक्खी के नाम से जारी जॉब कार्ड आज भी एक्टिव है।

बाकायदा उनके नाम से मजदूरी भी निकल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि दुक्खी के नाम पर 21 अप्रैल 2021 से तीन जुलाई 2024 तक लगभग 50 हजार रुपये मनरेगा में बतौर मजदूरी भुगतान किया गया है।ग्रामीणों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने सीएम पोर्टल, डीएम, बीडीओ व अन्य अधिकारियों से शिकायत की। बीडीओ कुदरहा आलोक कुमार पंकज ने बताया कि शिकायत पत्र मिला है। जांच के लिए टीम गठित कर दी गई है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि इस मामले में ग्रामप्रधान, सचिव और रोजगार सेवक की मिलीभगत से फर्जी भुगतान कराया गया है। ग्रामप्रधान कमलावती के प्रतिनिधि रामसिंह चौधरी का कहना है कि जॉब कार्ड दुक्खी के नाम बना है, लेकिन इसमें आधार व बैंक खाता उसके भाई सुक्खी का लग गया है। काम भी सुक्खी ही करता है और उसकी मजदूरी का भुगतान हो रहा है। कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 अगस्त 2025 बुधवार

सम्पादकीय

तकनीकी युद्ध के समय में भारत

आज के समय में तकनीकी विकास के साथ युद्ध के तरीके भी बदल गए हैं। अब पारंपरिक युद्ध के बजाय तकनीक का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। दुश्मन देश की जमीनी सीमा पार किए बिना ही हवाई हमलों को बखूबी अंजाम दिया जाता है। ड्रोन, स्वायत्त प्रणाली और हाइपरसोनिक हथियारों के उदय ने युद्ध के पारंपरिक सिद्धांतों को बदल दिया है। ऐसे में कोई भी देश तभी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है, जब उसके पास मजबूत वायु रक्षा प्रणाली हो।

इसी के मद्देनजर भारत ने हाल में एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण कर इस दिशा में एक और सफलता हासिल कर ली है। 'आपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को शिकस्त देने के करीब तीन माह बाद भारत की रक्षा प्रणाली में मजबूती का यह एक नया अध्याय जुड़ गया है। ड्रोन और मिसाइलों के हमलों को नाकाम करने की अपनी क्षमता को और ज्यादा सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनाने की ओर एक बड़ी और अहम कामयाबी है।

पारंपरिक युद्ध की तुलना में आज के युद्ध में तकनीक का महत्त्व सर्वोपरि है। अब लड़ाई जमीन पर नहीं, बल्कि आसमान से लड़ी जा रही है। आधुनिक हाइपरसोनिक और क्रूज मिसाइलें हजारों किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य को भेद सकती हैं। ड्रोन का इस्तेमाल अब रक्षा प्रणालियों और सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, जैसा रूस–यूक्रेन युद्ध और मध्य–पूर्व के संघर्षों में देखा गया है। जाहिर है, इस तरह के खतरों से निपटने के लिए भारत की रक्षा तैयारियों को तेज करना आवश्यक है।

भारत की नव–विकसित एकीकृत हवाई रक्षा हथियार प्रणाली बहुस्तरीय प्रणालियों का एक ऐसा स्वदेशी तंत्र है, जो दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोन और मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट करने में सक्षम है। इसमें हमले का संकेत मिलने पर तुरंत जवाब देने और सतह से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल प्रणाली तथा उच्च शक्ति वाली लेजर आधारित प्रणाली शामिल है, जो दुश्मन के हौसलों को पस्त कर देगी। दरअसल, इस रक्षा प्रणाली को मिशन 'सुदर्शन चक्र' के तहत विकसित किया गया है, जिसका मकसद वर्ष 2035 तक भारत को एकीकृत वायु रक्षा प्रणाली में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना है।

खतरे में बेटियां

ग्रेटर नोएडा के निक्की भाटी हत्याकांड को केवल एक अकेली घटना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। सिस्टम पर सवाल के साथ ही यह उस समाज को भी आईना दिखाता है, जहां शादियों में दहेज का लेनदेन अब भी सामान्य है। यह हाल तब है, जबकि लंबे समय से देश में दहेज विरोधी कानून लागू है। निक्की और उसकी बहन की शादी साल 2016 में एक ही घर में हुई थी और तब से दोनों को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। सोचने वाली बात है कि परिवार को बेटियों के उत्पीड़न की जानकारी थी। इसके बावजूद उन्होंने जितना संभव था, उस हद तक जाकर ससुरालवालों के लालच को पूरा किया, इसकी वजह? समाज का वह अनदेखा दबाव जो कहता है कि बेटियां एक बार ससुराल चली गईं, तो वहीं की हो जाती हैं। इसी कथित सामाजिक मान–सम्मान की चिंता और बेटियों का घर कहीं टूट न जाए – इस आशंका ने निक्की को नरक जैसा जीवन झेलने पर मजबूर किया।

निक्की पर हुए अत्याचार की कहानी विडियो फुटेज के रूप में सामने है, लेकिन सच यह भी है कि देश में दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के कितने ही मामले सामने नहीं आ पाते – या फिर वे उन छोटे कस्बों और शहरों के होते हैं, जहां नजर नहीं जाती। दहेज उत्पीड़न और हत्या पर नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के सबसे हालिया आंकड़े भी 2022 के हैं। ये बताते हैं कि उस साल दहेज हत्या के 6,450 केस दर्ज किए गए थे। इसके पहले जाएं, तो 2020 में 6966 और 2021 में लगभग 6700 केस थे।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 80 में दहेज हत्या के लिए न्यूनतम 7 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके बाद भी मामले रुक नहीं रहे, क्योंकि न्याय मिलने की रफ्तार धीमी और दर बहुत कम है। चार्जशीट दाखिल करने में देरी, मुकदमों का लंबा खिंचना, पीड़ित परिवार पर अदालत के बाहर ही समझौता करने का दबाव जैसे कई फैक्टर हैं, जिनकी वजह से इंसाफ नहीं मिल पाता। एनसीआरबी के ही डेटा के मुताबिक, 2022 में जितने केस पेंडिंग थे, उन सबको मिलाकर सजा की दर केवल 2: रही। बेटियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही हैं, लेकिन जब तक उन पर होने वाले अत्याचार को रोका नहीं जाता, निक्की जैसे मामले नहीं रुकेंगे। जरूरत है तेज और निष्पक्ष जांच के बाद इंसाफ की।

वोट अधिकार यात्रा और खानकाह रहमानी का सबक

—अखिल कुमार यादव—

बिहार की जमीन इन दिनों लोकतंत्र और समाज के अद्भुत संगम की साक्षी बन रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 17 अगस्त को सासाराम से अपनी 'वोट अधिकार यात्रा' की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य हर नागरिक के वोट को सुरक्षित रखना और लोकतंत्र की असली ताकत को बचाए रखना है। यह यात्रा सोलह दिनों में लगभग तेरह सौ किलोमीटर का सफर तय करती हुई 1 सितंबर को पटना के गांधी मैदान में एक विशाल जनसभा के साथ संपन्न होगी। यात्रा जब आरा, बक्सर, नवादा, जहानाबाद और भागलपुर जैसे जिलों से गुजरी तो भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाओं ने महँगाई और राशन की शिकायतें रखीं, युवाओं ने बेरोजगारी पर चिंता जताई और कई मतदाताओं ने यह आशंका व्यक्त की कि अगले चुनाव में उनका नाम मतदाता सूची से गायब हो सकता है। राहुल गांधी ने इन मुलाकातों में कहा, "अगर आपके वोट की रक्षा नहीं होगी, तो आपके अधिकार भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।

यह केवल कांग्रेस का मुद्दा नहीं, बल्कि हर गरीब, किसान, मजदूर और युवा का सवाल है।" इस यात्रा का सबसे अहम पड़ाव मुंगेर का ऐतिहासिक खानकाह रहमानी रहा। यह केवल धार्मिक स्थल पर श्रद्धांजलि देने का मामला नहीं था, बल्कि शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के प्रतीक संस्थान के प्रति सम्मान भी था। 1901 में मौलाना मोहम्मद अली मुंगेरी ने इसकी नींव रखी थी और स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में यह स्थान गांधीजी, नेहरू, मौलाना आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं की यात्राओं का साक्षी बना। 1927 में जामिया रहमानी की स्थापना ने इसे दीनी और आधुनिक शिक्षा के अद्भुत मेल का केंद्र बना दिया। बाद में रहमानी30 ने इसे नई ऊँचाई दी और गरीब तथा पिछड़े तबके के बच्चों को आईआईटी और मेडिकल जैसी संस्थाओं में पहुँचाने का सपना पूरा किया। आँकड़े बताते हैं कि अब तक 513 छात्र आईआईटी और 838 छात्र एनआईटी में प्रवेश पा चुके हैं। लेकिन आँकड़े ही इसकी कहानी नहीं कहते, बल्कि उन छात्रों की जिंदगी इसे और जीवंत बना देती है। जैसे मोहम्मद फैज, जो रिक्शाचालक के बेटे हैं और रहमानी30 से पढ़कर आईआईटी–बीएचयू पहुँचे। समीना परवीन, जो गाँव की पहली लड़की बनीं जिसने एमबीबीएस में दाखिला लिया। या फिर नजमुद्दीन अंसारी, जो दिहाड़ी मजदूर के बेटे होकर आज अमेरिका में रिसर्च कर रहे हैं। ये कहानियाँ बताती हैं कि शिक्षा गरीबी की बेड़ियों को तोड़कर नई दुनिया रच सकती है। राहुल गांधी जब खानकाह पहुँचे तो उन्होंने मौलाना वली रहमानी की विरासत को याद करते हुए कहा कि शिक्षा और वोटक्रूदोनों ही समाज को बराबरी की ओर ले जाते हैं। एक हाथ में किताब और दूसरे हाथ में वोट की ताकतकृयही असली लोकतंत्र है। वहीं मौजूद लोगों ने बेरोजगारी, महँगाई और अवसरों की कमी की बातें कीं और छात्रों ने कहा कि उन्हें आईआईटी की तैयारी के लिए रहमानी जैसे संस्थानों पर ही निर्भर रहना पड़ता है, जबकि सरकारी स्तर पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इस यात्रा को लेकर राजनीतिक बहस भी तेज है। कांग्रेस और विपक्षी दल इसे लोकतंत्र की रक्षा का अभियान बता रहे हैं, तो सत्तारूढ़ दल इसे महज चुनावी स्टंट करार दे रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि मतदाता सूची की प्रक्रिया पारदर्शी है और कांग्रेस हार की आशंका में बहाने खोज रही है। लेकिन जमीनी हकीकतख्त यह भी है कि कई जगह लोगों ने अपने नाम सूची से कटने की शिकायत की है, और यही वजह है कि यह मुद्दा जनता के साथ सीधा जुड़ता है। दुर्भाग्य से मुख्यधारा की मीडिया ने इस यात्रा को सीमित कवरेज दिया, मगर सोशल मीडिया पर खघनकघह रहमानी की तस्वीरें और छात्रों की कहानियाँ वायरल हो गईं। युवाओं ने लिखा कि अगर ऐसे संस्थान हर जिले में होते तो भारत की तस्वीर बदल जाती। इससे यह भी सवाल उठता है कि मीडिया का ध्यान केवल राजनीतिक बयानबाजी तक क्यों सिमट जाता है, जबकि समाज को बदलने वाले ऐसे मॉडल्स पर अधिक रोशनी डाली जानी चाहिए। निस्संदेह, खघनकघह रहमानी जैसी संस्थाओं के सामने चुनौतियाँ भी हैंकृछात्रवृत्ति और संसाधनों की कमी, सरकारी सहयोग का अभाव और कई बार सामाजिक—राजनीतिक पक्षपात। लेकिन अगर इन बाधाओं को दूर किया जाए तो यह मॉडल पूरे भारत में फैल सकता है और लाखों युवाओं की तकदीर बदल सकता है।

बिहार जैसे राज्यों में जहाँ बेरोजगारी, पलायन और अशिक्षा सबसे बड़ी समस्याएँ हैं, वहाँ वोट की सुरक्षा और शिक्षा दोनों ही निर्णायक साबित हो सकते हैं। राहुल गांधी की 'वोट अधिकार यात्रा' और खघनकघह रहमानी की शैक्षणिक क्रांति हमें यही सिखाती है कि लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि समाज में समान अवसर और न्याय की गारंटी है। भारत की असली ताकत्त दो चीजों में है, हर नागरिक का वोट सुरक्षित रहना और हर बच्चे को शिक्षा का अवसर मिलना। यही वजह है कि आज जब लोकतंत्र पर सवाल खड़े हो रहे हैं और करोड़ों युवा रोजगार व शिक्षा की तलाश में हैं, तब यह संदेश और भी प्रासंगिक हो जाता है कि लोकतंत्र तब मजबूत होगा जब हर हाथ में मतपत्र और हर दिमाग में ज्ञान होगा।

सम्पादक विस्थापन के समय में पत्रकारिता

— प्रो. संजय द्विवेदी—

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल की यात्रा का उत्सव मनाते हुए हमें बहुत से सवाल परेशान कर रहे हैं जिनमें सबसे खास है 'संपादक का विस्थापन'। बड़े होते मीडिया संस्थान जो स्वयं में एक शक्ति में बदल चुके हैं, वहां संपादक की सत्ता और महत्ता दोनों कम हुई है। अखबारों से खबरें भी नदारद हैं और विचार की जगह भी सिकुड़ रही है। बहुत गहरे सौंदर्यबोध और तकनीकी दक्षता से भरी प्रस्तुति के बाद भी अखबार खुद को संवाद के लायक नहीं बना पा रहे हैं। यह ऐसा कठिन समय है जिसमें रंगीनियां तो हैं पर गहराई नहीं। हर तथ्य और कथ्य का बाजार पहले ढूंढा जा रहा है, लिखा बाद में जा रहा है।

नए समय में पत्रकारिता को सिर्फ कौशल या तकनीक के सहारे चलाने की कोशिशें हो रही हैं। जबकि पत्रकारिता सिर्फ कौशल नहीं बहुत गहरी संवेदना के साथ चलने वाली विधा है। जहां शब्द हैं, विचार हैं और उसका समाज पर पड़ने वाला प्रभाव है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पत्रकारिता के पारंपरिक मूल्य और सिद्धांत अप्रासंगिक हो गए हैं या नए जमाने में ऐसा सोचना ठीक नहीं है। डिजिटल मीडिया की मोबाइल जनित व्यस्तता ने पढ़ने, गुनने और संवाद का सारा समय खा–पचा लिया है। जो मोबाइल पर आ रहा है,वही हमें उपलब्ध है। हम इसी से बन रहे हैं, इसी को सुन और गुन रहे हैं। ऐसे खतरनाक समय में जब अखबार पढ़े नहीं, पलटे जाने की भी प्रतीक्षा में हैं। दूसरी ओर वाट्सअप में अखबारों के पीडीएफ तैर रहे हैं। कुछ ऐसे हैं जो पीडीएफ पर ही छपते हैं। अखबारों को हाथ में लेकर पढ़ना और ई–पेपर की तरह पढ़ना दोनों के अलग अनुभव हैं। नई पीढ़ी मोबाइल सहज है। उसने मीडिया घरानों के एप मोबाइल पर ले रखे हैं। वे अपने काम की खबरें देखते हैं। 'न्यूज यू कैन यूज' का नारा अब सार्थक हुआ है। खबरें भी पाठकों को चुन रही हैं और पाठक भी खबरों को चुन रहे हैं। यह कहना कठिन है कि अखबारों की जिंदगी कितनी लंबी है। 2008 में 'प्रिंट इज डेट किताब' लिखकर जे. गोमेज इस अवधारणा को बता चुके हैं।

सवाल यह नहीं है कि अखबार बचेंगे या नहीं मुद्दा यह है कि पत्रकारिता बचेगी या नहीं। उसकी संवेदना, उसका कहन, उसकी जनपक्षधरता बचेगी या नहीं। संपादक की सत्ता पत्रकारिता की इन्हीं भावनाओं की संरक्षक थी। संपादक अखबार की संवेदना, भाषा, उसके वैचारिक नेतृत्व,समाजबोध का संरक्षण करता था। उसकी विदाई के साथ कई मूल्य भी विदा हो जाएंगें। गुमनाम संपादकों को अब लोग समाज में नहीं जानते हैं। खासकर हिंदी इलाकों में अब पहचान विहीन और 'ब्रांड' वादी अखबार निकाले जा रहे हैं। अब संपादक के होने न होने से फर्क नहीं पड़ता। उसके लिखने न लिखने से भी फर्क नहीं पड़ता। न लिखे तो अच्छा ही है। पहचानविहीन चेहरों की तलाश है, जो अखबार के ब्रांड को चमका सकें। संपादक की यह विदाई अब उस तरह से याद भी नहीं की जाती। पाठकों ने 'नए अखबार' के साथ अनुकूलन कर लिया है। 'नया अखबार' पहले पन्ने पर भी किसी भी प्रोडक्ट का एड छाप सकता है, संपादकीय पन्ने को आधा कर विचार को हाशिए लगा सकता है। खबरों के नाम पर एजेंडा चला सकता है। 'सत्य' के बजाए यह 'नरेटिव' के साथ खड़ा है। यहां सत्य रचे और तथ्य गढ़े जा सकते हैं। उसे बीते हुए समय से मोह नहीं है वह नए जमाने का 'नया अखबार' है। वह विचार और समाचार नहीं कंटेट गढ़ रहा है। उसे बाजार में छा जाने की ललक है। उसके टारगेट पर खाये–अघाए पाठक हैं जो उपभोक्ता में तब्दील होने पर आमादा हैं। उसके कंटेंट में लाइफ स्टाइल की प्रमुखता है। वह जिंदगी को जीना और मौज सिखाने में जुटा है। इसलिए उसका जोर फीचर पर है, अखबार को मैग्जीन बनाने पर है। अखबार बहुत पहले 'रंगीन' हो चुका है, उसका सारा ध्यान अब अपने सौंदर्यबोध पर है। वह 'प्रजेंटेबल' बनना चाहता है। अपनी समूची प्रस्तुति में ज्यादा रोचक और ज्यादा जवान। उसे लगता है कि उसे सिर्फ युवा ही पढ़ते हैं और वह यह भी मानकर चलता है कि युवा को गंभीर चीजें रास नहीं आतीं।

यह 'नया अखबार' अब संपादक की निगरानी से मुक्त है। मूल्यों से मुक्त। संवेदनाओं से मुक्त। भाषा के बंधनों से मुक्त। यह भाषा सिखाने नहीं बिगाड़ने का माध्यम बन रहा है। मिश्रित भाषा बोलता हुआ। संपादक की विदा के बहुत से दर्द हैं जो दर्ज नहीं है। नए अखबार ने मान लिया है कि उसे नए पाठक चुनने हैं। बनाना है उन्हें नागरिक नहीं, उपभोक्ता। ऐसे कठिन समय में अब सक्रिय पाठकों का इंतजार है। जो इस बदलते अखबार की गिरावट को रोक सकें। जो उसे बता सकें कि उसे दृश्य माध्यमों से होड़ नहीं करनी है। उसे शब्दों के साथ होना है। विचार के साथ होना है।

हिंदी के संपादकाचार्य बाबूराव विष्णु पराड़कर ने कहा था, "पत्र निकालकर सफलतापूर्वक चलाना बड़े–बड़े धनियों अथवा सुसंगठित कंपनियों के लिए ही संभव होगा। पत्र सर्वांग सुंदर होंगे। आकार बड़े होंगे, छपाई अच्छी होगी, मनोहर, मनोरंजक और ज्ञानवर्द्धक चित्रों से सुसज्जित होंगे, लेखों में विविधता होगी, कल्पकता होगी, गंभीर गवेषणा की झलक होगी, ग्राहकों की संख्या लाखों में गिनी जाएगी। यह सब कुछ होगा पर पत्र प्राणहीन होंगे। पत्रों की नीति देशभक्त, धर्मभक्त अथवा मानवता के उपासक महाप्राण संपादकों की नीति न होगी— इन गुणों से संपन्न लेखक विकृत मस्तिष्क समझे जाएंगे, संपादक की कुर्सी तक उनकी पहुंच भी न होगी। वेतनभोगी संपादक मालिक का काम करेंगे और बड़ी खूबी के साथ करेंगे। वे हम लोगों से अच्छे होंगे। पर आज भी हमें जो स्वतंत्रता प्राप्त है वह उन्हें न होगी। वस्तुतः पत्रों के जीवन में यही समय बहुमूल्य है।" श्री पराड़कर की यह भविष्यवाणी आज सच होती हुई दिखती है। समानांतर प्रयासों के कुछ लोग विचार की अलख जगाए हुए हैं। लेकिन जरूरी है कि हम अपने पाठकों के सक्रिय सहभाग से मूल्य आधारित पत्रकारिता के लिए आगे आएं। तभी उसकी सार्थकता है। (लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग में आचार्य और अध्यक्ष हैं।)

परंपरा से प्रौद्योगिकी की ओर संस्कृत

— डॉ. सत्यवान सौरभ—

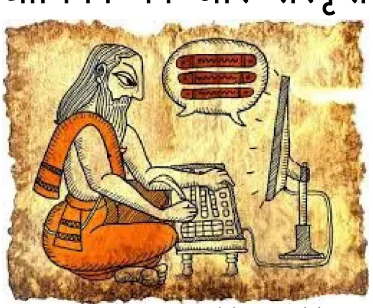

संस्कृत केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की संभावना है। इसकी वैज्ञानिक व्याकरणिक संरचना आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डिजिटल तकनीकों के लिए आदर्श है। संस्कृत का पुनर्जीवन भारत को ज्ञान और तकनीक की दिशा में विश्व का नेतृत्वकर्ता बना सकता है। यह भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिकता के साथ तालमेल बैठा सकती है। अतः अब समय आ गया है कि संस्कृत को परंपरा की जंजीरों से मुक्त कर उसे विज्ञान और तकनीक का सेतु बनाया जाए। यही भारत के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला सिद्ध होगी।

संस्कृत भाषा मानव सभ्यता की उस अद्भुत धरोहर का नाम है, जिसने हजारों वर्षों तक ज्ञान, विज्ञान, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में पथप्रदर्शक की भूमिका निभाई है। यह केवल भारत की ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता की सबसे प्राचीन, सुव्यवस्थित और वैज्ञानिक भाषाओं में से एक है। आज जब विश्व चौथी औद्योगिक क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में प्रवेश कर चुका है, तब संस्कृत के महत्व पर नए सिरे से चर्चा हो रही है। यह भाषा न केवल अतीत के अनुभवों और परंपराओं को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य की प्रौद्योगिकियों के साथ भी गहरे स्तर पर सामंजस्य स्थापित करने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि संस्कृत को आज के समय में प्राचीन ज्ञान और भविष्य की तकनीक के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाने लगा है।

संस्कृत की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्याकरणिक संरचना है। पाणिनि का अष्टाध्यायी व्याकरणिक दृष्टि से विश्व की सबसे सटीक और तार्किक रचना मानी जाती है। इसकी व्यवस्थित संरचना और नियमबद्धता इतनी अद्भुत है कि आधुनिक कम्प्यूटर भाषाओं के निर्माण में भी इसे आदर्श माना जा सकता है। जहां अंग्रेजी या अन्य भाषाओं में शब्दों और वाक्यों के प्रयोग में अनेक प्रकार की असंगतियां देखने को मिलती हैं, वहीं संस्कृत में एक प्रकार की पूर्ण स्पष्टता और तार्किकता है। यही कारण है कि जब विश्व में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का दौर प्रारम्भ हुआ, तब अनेक शोधकर्ताओं ने पाया कि संस्कृत भाषा इन तकनीकों को समझने और विकसित करने के लिए अत्यंत उपयोगी हो सकती है।

आज हम देखते हैं कि जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन सहित विश्व के अनेक देशों के विश्वविद्यालय संस्कृत का गहन अध्ययन कर रहे हैं। जर्मनी के कम से कम चौदह विश्वविद्यालयों में संस्कृत का पाठ्यक्रम चल रहा है। इन देशों में संस्कृत को केवल धार्मिक या दार्शनिक दृष्टि से ही नहीं पढ़ाया जाता, बल्कि उसे आधुनिक विज्ञान और तकनीक की दृष्टि से भी महत्व दिया जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक जगत यह समझ चुका है कि भविष्य की वैज्ञानिक प्रगति में संस्कृत की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

भारत में भी अब यह आवाज उठने लगी है कि संस्कृत को केवल अतीत की भाषा मानकर सीमित न किया जाए। इसे आधुनिक शिक्षा और तकनीकी जगत में नए रूप से प्रस्तुत किया जाए। यदि संस्कृत को डिजिटल तकनीकों के साथ जोड़ा जाए, तो यह भाषा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, रोबोटिक्स और डेटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाओं का द्वार खोल सकती है। इसका कारण यह है कि संस्कृत की शब्द संरचना और व्याकरणिक नियम कम्प्यूटरों के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। कम्प्यूटर किसी भी भाषा को तब आसानी से समझ सकता है जब उसमें अस्पष्टता न हो। संस्कृत की विशेषता ही यही है कि इसमें प्रत्येक शब्द और वाक्य का एक निश्चित और स्पष्ट अर्थ होता है।

आज के समय में शिक्षा के क्षेत्र में भी संस्कृत के महत्व को नए रूप में पहचाना जा रहा है। पहले इसे केवल शास्त्रों, वेदों और धार्मिक ग्रंथों तक सीमित समझा जाता था, परंतु अब यह मान्यता तेजी से बदल रही है। संस्कृत के अध्ययन से छात्रों के लिए न केवल अध्यापन और शोध के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध होंगे, बल्कि आधुनिक प्रौद्योगिकियों से जुड़े हुए करियर के नए रास्ते भी खुलेंगे। उदाहरणस्वरूप, यदि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एल्गोरिदम संस्कृत के आधार पर तैयार किए जाएं तो वे कहीं अधिक प्रभावी और स्पष्ट हो सकते हैं। यही कारण है कि कई शोध संस्थान संस्कृत को भविष्य की तकनीकी भाषा कह रहे हैं।

यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि संस्कृत इतनी उपयोगी है तो भारत में इसे व्यापक रूप से क्यों नहीं अपनाया गया। इसका उत्तर हमारे समाज की मानसिकता और शिक्षा व्यवस्था में छिपा हुआ है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने विकास की दौड़ में पश्चिमी देशों की राह को अधिक अपनाया। अंग्रेजी भाषा को प्रगति और आधुनिकता का पर्याय मान लिया गया। इसके परिणामस्वरूप संस्कृत धीरे–धीरे शिक्षा और व्यवहार से विलुप्त होने लगी। जबकि सच यह है कि यदि भारत ने अपनी ही प्राचीन भाषा को विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ा होता तो शायद आज भारत विश्व को तकनीक की दिशा दिखा रहा होता।

संस्कृत का महत्व केवल तकनीक या विज्ञान तक सीमित नहीं है। यह भाषा हमारे समाज की सांस्कृतिक पहचान और दार्शनिक परंपराओं का भी आधार है। इसमें जीवन के गूढ़तम प्रश्नों के उत्तर मौजूद हैं। वेद, उपनिषद और गीता जैसी रचनाएं संस्कृत में ही हैं। इन रचनाओं ने मानवता को जीवन जीने की कला और आंतरिक शांति का मार्ग दिखाया है। आज जब मानव अत्यधिक भौतिकता और तनाव के बीच उलझा हुआ है, तब संस्कृत साहित्य की शिक्षाएं जीवन को संतुलन और शांति प्रदान कर सकती हैं।

इस संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि संस्कृत केवल अतीत का गौरव नहीं बल्कि भविष्य की आवश्यकता भी है। यदि हम सचमुच भारत को ज्ञान और तकनीक की वैश्विक शक्ति बनाना चाहते हैं तो संस्कृत को पुनर्जीवित करना होगा। इसे केवल अनुष्ठानों और मंदिरों तक सीमित न रखकर आधुनिक प्रयोगों से जोड़ना होगा। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में संस्कृत और तकनीक के संयुक्त पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाएं। स्कूल स्तर से ही बच्चों को संस्कृत के आधुनिक और व्यावहारिक रूप से परिचित कराया जाए।आज की युवा पीढ़ी इंटरनेट और डिजिटल दुनिया में जी रही है। यदि संस्कृत को इस डिजिटल युग के अनुकूल बनाया जाए, तो यह उनके लिए सहज और आकर्षक बन सकती है।

लड़की को लिफ्ट देने के बहाने बाइक पर बैठाया, फिर सुनसान जगह ले जाकर किया गैंगरेप

संवाददाता–देवरिया। देवरिया के एक गांव की लड़की के साथ बड़ा धोखा हो गया। लड़की सोमवार की रात अपनी मौसी के यहां जाने को निकली थी। रास्ते में दो परिचित लड़कों ने उसे यह कहकर बाइक पर बिठा लिया कि वे उसे पहुंचा देंगे लेकिन मौसी के घर की बजाए वे उसे एकांत स्थान पर ले गए। वहां उन्होंने लड़की के मुंह पर अपना हाथ रखकर उसकी आवाज बंद कर दी और फिर बारी–बारी उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के दौरान किसी तरह लड़की ने लड़के का हाथ अपने मुंह पर से हटाया और शोर मचा दिया। तब पकड़े जाने के डर से दोनों लड़के भाग खड़े हुए। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों को लड़की ने पूरी बात बताई। उन्हीं में से किसी ने डॉयल–112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस तत्काल जांच–पड़ताल में जुट गई।

घटना देवरिया के सलेमपुर क्षेत्र की बताई जा रही है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार पटेल ने बताया कि एक लड़की के साथ दो लड़कों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की शिकायत मिली है। इस पर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। लड़की की मां ने सलेमपुर थाने पर तहरीर दी है। अभी इस मामले में पुलिस को तहरीर नहीं मिली है। मिली जानकारी के अनुसार सलेमपुर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली लड़की सोमवार की रात अपनी मौसी के यहां जा रही थी। वह पैदल ही जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो लड़के वहां आ गए। उन्होंने लड़की को बाइक पर लिफ्ट देते हुए मौसी के यहां पहुंचा देने की बात कही। लड़की उनकी बात मान गई और बाइक पर बैठ गई। इसके बाद दोनों गांव की तरफ बढ़े लेकिन लड़की की मौसी के घर न जाकर एक जगह एकांत में रुक गए।

आरोप है कि दोनों ने लड़की का मुंह बंद कर उसके साथ बारी–बारी दुष्कर्म किया। इसी दौरान किसी तरह मुंह से लड़के का हाथ उठाते हुए लड़की ने शोर मचा दिया तो आरोपी भागने लगे। शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण भी वहां पहुंच गए। तब लड़की ने गांववालों को पूरी बात बताई। गांववालों में से ही किसी ने डॉयल–112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। कोतवाल सुनील पटेल ने भी मौके पर पहुंच कर पूछताछ की और घटना के बारे में जानकारी ली। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में देवरिया के एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि थाना सलेमपुर पर एक महिला ने सूचना दी कि पिछली रात (सोमवार की रात)लगभग साढ़े आठ बजे जब उनकी बेटी अपने घर से अपनी मौसी के यहां जाने को निकली थी तो उनकी पहचान के ही दो लोगों ने उसको लिफ्ट देने के बहाने पिक किया और एक घटनास्थल पर ले जाकर के उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बारे में उनके द्वारा तहरीर दी गई है और घटनास्थल का निरीक्षण फारेंसिक टीम और मेरे द्वारा कर लिया गया है । साक्ष्य इकट्ठा किये जा रहे हैं । दोनों नामजद अभियुक्तों को हिरासत में ले लिया गया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

इसी बीच देवरिया के ही लार थाना क्षेत्र में एक लड़की से हुए दुष्कर्म के मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में लार कस्बा चौकी प्रभारी संकल्प सिंह राठौर और सिपाही सुनील कुमार सिंह को एसपी विक्रांत वीर ने निलंबित कर दिया है। उन्होंने इस मामले की जांच सीओ को सौंपी है। कहा है कि जांच में जिसकी भी गलती पाई जाएगी उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

चीनी मिल में 26 हजार क्विंटल गन्ने की फर्जी बिक्रीः बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल के प्रबंधक ने दर्ज कराया 15 लोगों पर मुकदमा

संवाददाता–गोण्डा। बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड कुंदरखी इकाई में 15 लोगों ने मिलकर 26 हजार 502 क्विंटल गन्ना फर्जी दस्तावेजों के जरिए बेच डाला। मामले की पुष्टि जांच में हुई। जिसके बाद मोतीगंज थाने में सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बजाज हिंदुस्तान शुगर लिमिटेड कुंदरखी के सुरक्षा प्रबंधक कमलेश मणि तिवारी ने बताया कि मामला वर्ष 2012–13 का है। पेराई सत्र के दौरान तरबगंज के इस्माइलपुर निवासी सकलराज सिंह, जो उस समय तौल लिपिक थे। इस पूरे फर्जीवाड़े को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि उन्होंने अपने भाई, कुछ खातेदारों और ग्रामवासियों के साथ मिलकर फर्जी

गन्ना आपूर्ति के कागजात तैयार किए।

इन दस्तावेजों में कलावती, माधुरी सिंह, रामखेलावन, संजय कुमार, संतोष कुमार, सरला सिंह, सरोज सिंह, त्रिलोकी सिंह, उमेश प्रताप सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, राम सिंह, आनंद प्रताप, छोटे लाल और दिनेश कुमार सिंह के नाम से आपूर्ति दिखाई गई। इन्हीं फर्जी रिकॉर्ड्स के सहारे 26 हजार 502 क्विंटल गन्ने की बिक्री कर दी गई।

शिकायत और जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने सकलराज सिंह समेत 15 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गहनता से जांच हो रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अवैध धर्मांतरण मामलाः छांगुर की करीबी नीतू पर कसा शिकंजा, 13 करोड़ की संपत्ति ईडी से अटैच

संवाददाता–बलरामपुर। अवैध धर्मांतरण और हवाला जैसे खेल में शामिल जमालुद्दीन उर्फ छांगुर पर शिकंजा कसता जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) लखनऊ जोनल कार्यालय ने मंगलवार को यूपी के बलरामपुर में छांगुर बाबा से जुड़े नेटवर्क पर कार्रवाई की। इस दौरान 13.02 करोड़ की अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से जब्त कर ली गई हैं। ये सभी संपत्तियां उत्तरौला क्षेत्र में स्थित हैं। इन्हें नीतू नाविन रोहरा के नाम पर खरीदा गया था। नीतू छांगुर के सहयोगी नवीन रोहरा की पत्नी है।

ईडी की जांच एटीएस, लखनऊ की एफआईआर पर आधारित है। एफआईआर में आरोप है कि छांगुर बाबा व उसके सहयोगियों ने बड़ी साजिश के तहत विदेशी चंदा और फंडिंग का इस्तेमाल करके सुनियोजित धर्मांतरण कराए। बाबा ने बलरामपुर स्थित चांद औलिया दरगाह के पास मधुपुर को केंद्र बनाकर नेटवर्क तैयार किया।

यहां बड़े पैमाने पर भारतीय और विदेशी नागरिकों की मौजूदगी में आयोजन किए जाते थे। आरोप है कि छांगुर ने खासतौर पर अनुसूचित जातियों और गरीब हिंदू परिवारों को निशाना बनाया। उन्हें प्रलोभन, दबाव और लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया।

ईडी की पड़ताल में सामने आया है कि छांगुर और नवीन रोहरा ने दुबई की यूनाइटेड मरीन एफजेडई कंपनी के बैंक अकाउंट का सहारा लिया। वहां से संदिग्ध स्रोतों से पैसा जुटाया गया। करीब 21.08 करोड़ रुपये भारत लाए गए। यह रकम नवीन रोहरा के एनआईईएनआरओ खातों में भेजी गई। इसके बाद यही धनराशि उत्तरौला में कई संपत्तियां खरीदने में लगाई गई। सभी संपत्तियां नवीन रोहरा की पत्नी नीतू रोहरा के नाम पर दर्ज की गईं।

ईडी ने पहले ही छांगुर को 28 जुलाई और नवीन रोहरा को 4 अगस्त को रिमांड पर लिया था। फिलहाल दोनों न्यायिक हिरासत में हैं। एजेंसी का कहना है कि धर्मांतरण और मनी लॉन्ड्रिंग की यह साजिश बेहद गहरी है। मामले की आगे की जांच अभी जारी है। ईडी की यह कार्रवाई पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी है। उत्तरौला क्षेत्र के लोग भी इस बात को लेकर हैरान हैं कि कैसे स्थानीय जमीनों पर विदेशी पैसे से करोड़ों की खरीद–फरोख्त की गई। प्रशासन का कहना है कि अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्तियों को किसी भी हाल में नहीं छोड़ा जाएगा।

पयागपुर में कजरी तीज पर बागेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी आस्था

संवाददाता–बहराइच। पयागपुर के प्राचीन बागेश्वरनाथ मंदिर में कजरी तीज पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। मंदिर में आयोजित भंडारे में क्षेत्रीय विधायक सुभाष त्रिपाठी ने स्वयं पूरियां तलीं। एडीएम अश्वनी पांडे और तहसीलदार राविकांत त्रिवेदी ने प्रसाद वितरण में योगदान दिया।

हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर भजन–कीर्तन से गूंज उठा। कांवड़ यात्री पैदल चलकर जल लेकर मंदिर पहुंचे। श्रद्धालुओं ने दंडवत प्रणाम कर जलाभिषेक किया। महिलाओं ने पूजा–अर्चना कर सौभाग्य की कामना की। महंत सरोज भारती के नेतृत्व में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए गए। मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। स्वयंसेवकों की विशेष तैनाती की गई। मीड़ नियंत्रण के लिए थानाध्यक्ष करुणाकर पांडेय के नेतृत्व में तीन थानों की पुलिस तैनात रही। क्षेत्राधिकारी पयागपुर भी मौजूद रहे।

श्याम सुंदर अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, विष्णु, राहुल मित्तल समेत कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। देर रात तक मंदिर में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा कर धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की कामना की।

किसानों को यूरिया नहीं मिलने पर वकीलों का विरोध

संवाददाता–बलरामपुर। किसानों को यूरिया की कमी से जूझना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर जिले के अधिवक्ता किसानों के समर्थन में सामने आए हैं। मंगलवार को जिला युवा अधिवक्ता एसोसिएशन के नेतृत्व में वकीलों ने सदर एसडीएम हेमंत कुमार गुप्ता को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

वकीलों ने एसडीएम को बताया कि वे किसान परिवारों से आते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कड़ी धूप में भूखे–प्यासे लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। फिर भी उन्हें पर्याप्त मात्रा में यूरिया नहीं मिल पाता। कई बार तो उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है।

अधिवक्ताओं ने यूरिया की कालाबाजारी रोकने और किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की है। समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला बार अध्यक्ष अजय बहादुर सिंह, कलेक्ट बार अध्यक्ष रमेश चंद्र त्रिपाठी, जिला युवा अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अनिल शुक्ला, कलेक्ट बार महामंत्री कमलेश्वर सिंह, दिलीप गुप्ता, शांति भूषण शुक्ला, केके तिवारी और शशिकांत त्रिपाठी सहित कई अधिवक्ता शामिल थे।

अंतिम संस्कार के ना थे पैसे, ३ दिन तक सड़ा शव, मदद न मिली तो ठेले पर लाश, मुस्लिम भाइयों ने पेश की मिसाल

संवाददाता–महराजगंज। दवा के अभाव में घुट–घुट कर मरे नौतनवा के राजेंद्र नगर वार्ड निवासी लव कुमार पटवा (50) का शव तीन दिन तक घर में पड़ा रहा। समाजसेवा की ढोल पीटने वाले जनप्रतिनिधि हों या अधिकारी। किसी ने भी मदद के लिए हाथ आगे नहीं बढ़ाया। उनके दो बच्चे राजवीर (14)व देवराज (10) तीन दिन तक पिता के शव के पास बैठ कर मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन सभी ने इनकी गुहार अनसुनी कर दी। अंत में ठेले पर पिता का शव रखकर दोनों बेटे नदी में प्रवाहित करने के लिए निकल गए। अभी वह छपवा चौराहे पर पहुंचे ही कि सभासद वारिश कुरैशी व सभासद प्रतिनिधि राशिद कुरैशी की नजर इन बच्चों पर पड़ी। दोनों ने किसी तरह लकड़ी का इंतजाम कर लव कुमार पटवा का अंतिम संस्कार कराया। राजेंद्र नगर वार्ड में लव कुमार अपने दोनों बेटों के साथ रहते थे। जबकि पड़ोस के मोहल्ले में उनकी बेटी अपनी दादी के साथ रहती है। लव कुमार पटवा की पत्नी का निधन दो वर्ष पूर्व हो गया था। तभी से दोनों बेटों को अपने पास रखकर वह पालन पोषण कर रहे थे। जीवन–यापन के लिए वह चूड़ी बेचते थे। लव कुमार पटवा कुछ दिन पूर्व बीमार पड़े तो बिस्तर छोड़ खड़ा नहीं हो पाए। बच्चों ने अपने सामर्थ्य के हिसाब से अस्पताल में दिखाने का भी प्रयास किया,लेकिन उनकी सेहत दिनों दिन खराब होती चली गई। तीन दिन पहले जब उनकी मृत्यु हुई तो बच्चों के पास इतना सामर्थ्य नहीं था कि वह पिता का अंतिम संस्कार कर सकें। सोमवार को जब दोनों बच्चे शव को ठेले पर रखकर नदी में प्रवाहित करने के लिए जा रहे थे तभी लोगों की नजर उस पर पड़ी। एसडीएम नवीन प्रसाद ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। जांच की जा रही है ।प्रशासन द्वारा स्वजन को हर संभव मदद की जाएगी।

सड़क हादसे में सिपाही की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया–भिनगा मार्ग पर वन रेंजरी के पास एक सड़क हादसे में सिपाही संतोष चौरसिया की मौत हो गई। संतोष चौरसिया सिरसिया थाना क्षेत्र के बाबा विभूतिनाथ मंदिर में कजरी तीज मेले की ड्यूटी से लौट रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक डीजे लदे पिकअप से टकरा गई। 30 वर्षीय संतोष चौरसिया 2018 बैच के सिपाही थे। वे संतकबीर नगर के ग्राम सेमरा के रहने वाले थे और थाना सोनवा में तैनात थे। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी मुकेश चंद्र उत्तम और सीओ यातायात ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मृतक के शव को मर्चरी हाउस में रखा गया है। परिजनों के आने का इंतजार किया जा रहा है। सिपाही की असामयिक मृत्यु से पुलिस विभाग में शोक की लहर है। सभी अधिकारी और कर्मचारी मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

घाघरा नदी का तेजी से घट रहा जलस्तरः 24 घंटे में 10 सेंटीमीटर घटा नदी का जलस्तर

संवाददाता–गोण्डा। घाघरा नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटों में 10 सेंटीमीटर घट गया है। एल्गिन ब्रिज पर नदी अब खतरे के निशान से मात्र 2 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। जलस्तर में गिरावट के साथ तटीय इलाकों में कटान तेज हो गई है। नदी लगातार किनारे की जमीन और फसलों को अपने साथ बहा रही है।

घाघरा नदी में गिरजा, शारदा और सरयू बैराज से 2.81 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। देर शाम तक घाघरा नदी का जलस्तर एकदम कम हो सकता है। नदी खतरे के निशान से नीचे भी जा सकती है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के शुकुल पुरवा और बिचला माझा में स्थिति गंभीर है। नदी ने 50 बीघा से अधिक फसल, पेड़ और सिंचाई के लिए लगाई गई बोरिंग को बहा दिया है। ये क्षेत्र सरयू और घाघरा नदी के किनारे बसे होने के कारण हर साल कटान की समस्या से जूझते हैं। कई किसान तो अपनी पक्की हुई और कच्ची हुई फसल को समझ से पहले ही कट करके अपने घरों को उठा लेकर गए हैं। कई फूस के मकान भी घाघरा और शरीर नदी की कटान के जद में हैं जिससे ग्रामीणों को और चिंताएं हो रही हैं। वहीं तरबगंज के एसडीएम विश्वामित्र सिंह के अनुसार, जलस्तर में और गिरावट की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जा रहा है। बाढ़ और कटान से प्रभावित किसानों को जल्द ही आर्थिक मुआवजा दिया जाएगा। स्थानीय लोगों की मांग है कि यदि स्थाई बंद का निर्माण किया जाए तो भविष्य में इस तरह की समस्याओं से बचा जा सकता है।

शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती के नाम पर मार्ग का हुआ नामकरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अयोध्या धाम में कांची कामकोटि पीठ के 69वें शंकराचार्य ब्रह्मलीन स्वामी जयेंद्र सरस्वती महाराज के नाम पर मार्ग का नामकरण हुआ। यह नामकरण अयोध्या नगर निगम द्वारा किया गया। शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती मार्ग रामकथा कुंज मंदिर निर्मोही बाजार के सामने से निकलकर राजा रानी पार्क, धमेड़ी व नायक मंदिर होते हुए प्रमोदवन को जाता है। जो लगभग तीन सौ मीटर है। जिसे अब शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती मार्ग के नाम से जाना व पहचाना जायेगा। स्वामी जयेंद्र सरस्वती का राममंदिर आंदोलन में अहम योगदान रहा है। वह मंदिर आंदोलन के अग्रणी लोगों में से एक थे। मंगलवार को नगर निगम अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कांचीमठ प्रमोदवन में एक समारोह के दौरान मार्ग से संबंधित शिलापट का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच लोकार्पण किया। इस अवसर पर महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या पावन पुनीत धाम है। जो सप्त मोक्षदायिनी नगरियों में से एक है। अयोध्या और कांची का रिश्ता बहुत ही प्राचीन है। जो आज शंकराचार्य मार्ग के नामकरण संग पुनर्जीवित हुआ। उनके नाम पर मार्ग नामकरण किया गया। मैं उनसे कभी मिला नही। लेकिन मेरे मन में उनके प्रति बहुत ही श्रद्धा थी। आज जब उनकी मूर्ति का दर्शन कर रहा था। तब मुझे कहीं न कहीं उसकी अनुभूति हो रही थी। वह श्रीराम जन्मभूमि निर्माण के लिए यहां कई बार मध्यस्थता करने आए। राममंदिर निर्माण से उनका संकल्प पूर्ण हुआ। सभी महापुरूषों के प्रयासों से राममंदिर का निर्माण हो गया। रामलला अपने दिव्य–भव्य,

नव्य मंदिर में विराजमान हुए। महापौर ने कहा कि अयोध्या अब एक विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बनने की ओर अग्रसर है। भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रेरणा से वृहस्पति कुंड में दक्षिण भारत की तीन महान विभूतियों की मूर्ति लगाई जा रही है। हम लोगों के प्रयास से रामानंदाचार्य और रामानुजाचार्य की मूर्ति धर्मपथ पर स्थापति होने वाली है। हमारा प्रयास है कि जब पूरी दुनिया की संस्कृति से जुड़े विभिन्न मत–मतांतरों, संप्रदायों से जुड़े लोग अयोध्या आयें। तो उनको पूरे विश्व की संस्कृति–अध्यात्म का यहां पर दर्शन प्राप्त हो। हम लोग विश्व के सांस्कृतिक वैभव के नाम पर आगे बढ़ें। अयोध्या को विश्व की सांस्कृतिक राजधानी और आध्यात्मिक केंद्र बनाने की ओर लगातार हम अग्रसर हैं। वहीं कार्यक्रम संयोजक एवं शंकराचार्य के प्रतिनिधि बीएस सुब्रमण्यम (मणि जी) ने कहा कि कांची एवं अयोध्या का संबंध सदियों से रहा है। स्वामी जयेंद्र सरस्वती महाराज कांची कामकोटि पीठ के 69वें शंकराचार्य रहे। जिनका कई बार अयोध्या आगमन हुआ। जिन्होंने रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण में कई बार मध्यस्थता की और आंदोलन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। राममंदिर निर्माण से शंकराचार्य संकल्प फलीभूत हुआ। कांची कामकोटि पीठ के वर्तमान यानी 70वें शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती महाराज का मार्गदर्शन हम सभी को रामलला के पूरे प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में प्राप्त हुआ। इससे पहले महापौर के कांचीमठ प्रमोदवन पहुंचने पर अंगवस्त्र ओढ़ा व माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। महापौर श्री त्रिपाठी ने मठ में विराजमान सभी देवी–देवताओं का पूजन–अर्चन कर आरती उतारी। फिर ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती की मूर्ति का पूजन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजक एवं शंकराचार्य के प्रतिनिधि बीएस सुब्रमण्यम (मणि जी), तमिलनाडु के सुप्रसिद्ध कथाव्यास डॉ. स्वामी रंगनाथ महाराज, गुजराती मंदिर के महंत नंद नंदनम शरण, मणिरामदास छावनी वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि रीशू पांडेय, बीएम चंद्रशेखर, श्रीकांत भारद्वाज, रामचंद्रन, कांची शांकर वेद विद्यालय कांचीमठ अयोध्या के प्राचार्य अशोक वैदिक, पुरुषोत्तम वैदिक, सुषमा श्रीवास्तव, संध्या वैदिक, अमरनाथ पांडेय समेत कांची शांकर वेद विद्यालय के समस्त वेदपाठी छात्रगण उपस्थित रहे।

हरतालिका तीज पर सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

संवाददाता–गोंडा। करनैलगंज क्षेत्र में हरतालिका तीज का पर्व श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पतियों की लंबी आयु की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव–पार्वती की पूजा–अर्चना की। पौराणिक बरखंडी नाथ मंदिर में आधी रात को कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें दर्शन के लिए उमड़ पड़ीं। जलाभिषेक के दौरान हर हर महादेव के जयकारों से पूरा मंदिर प्रांगण गूंज उठा। धार्मिक मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर महादेव ने उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया। तभी से यह व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। हरतालिका तीज पर बरखंडी नाथ मंदिर परिसर में विशाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें दूर–दराज से आए दुकानदारों ने दुकानें सजाईं। श्रद्धालुओं ने जमकर खरीदारी की और बच्चों व युवाओं ने झूलों व सर्कस का भरपूर आनंद लिया। मंदिर परिसर और मेले में किसी अप्रिय घटना से निपटने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मंदिर के महंत सुनील पुरी ने बताया कि यह मंदिर पांडव कालीन है। मान्यता है कि अज्ञातवास के दौरान पांचों पांडवों ने माता कुंती के साथ यहां महादेव की पूजा कर विजय का आशीर्वाद लिया था। मंदिर का शिवलिंग स्वयंभू है गहराई आज तक कोई नहीं जान सका।

स्थानीय किंवदंती के अनुसार, प्राचीन काल में जब यह इलाका जंगल हुआ करता था, तब चरवाहों ने मूंज कूटने के दौरान एक पत्थर से खून निकलते देखा। इसकी सूचना तत्कालीन श्रावस्ती के राजा को दी गई। उन्होंने प्रयास कर पत्थर को हटाना चाहा, मगर असफल रहे। बाद में राजा को स्वप्न आया कि यहां मंदिर का निर्माण कराने से ही रोगमुक्त हो पाएंगे। तब से यहां भव्य मंदिर का निर्माण हुआ और तब से यह आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

सावन, मलमास और कजरी तीज पर यहां लाखों की भीड़ उमड़ती है। हरतालिका तीज पर उमड़े जनसैलाब ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बरखंडी नाथ मंदिर गोंडा ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है।

गणेश प्रतिमा स्थापना के दौरान पटाखों को लेकर विवाद, चौकी इंचार्ज को हटाने की मांग

संवाददाता–बहराइच। मोतीपुर थाना क्षेत्र के उर्रा बाजार में गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा स्थापना के दौरान विवाद हो गया। प्रतिमा स्थापना के समय लोगों द्वारा पटाखे फोड़े जा रहे थे। इस दौरान एक पटाखे का टुकड़ा रफीक के घर में गिर गया। रफीक के परिवार ने इसका विरोध किया। इससे दोनों पक्षों में तनाव उत्पन्न हो गया। स्थानीय प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ। मंगलवार को स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों ने जालिम नगर चौकी इंचार्ज कृष्ण कुमार पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। बड़ी संख्या में लोगों ने बाजार में प्रदर्शन किया। उन्होंने चौकी इंचार्ज को हटाने की मांग की। चौकी इंचार्ज ने सभी आरोपों को खारिज किया। उनका कहना है कि पटाखों को लेकर हुए विवाद को समय रहते शांत करा दिया गया था। किसी के साथ कोई अभद्र व्यवहार नहीं किया गया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जांच के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए।

मारपीट में घायल आम आदमी पार्टी के नेता की मौत, हंगामा के बाद पथराव, थानेदार घायल

संवाददाता—गोरखपुर। पिछले 23 अगस्त को मारपीट में घायल आम आदमी पार्टी (आप) के नेता कुंज बिहारी निषाद ने मंगलवार को गोरखनाथ क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। इसके बाद परिवारवाले हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए भड़क गए। उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते पत्थर चलने लगे। इस दौरान हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रहे एक थानेदार को एक पत्थर लगा और उनका सिर फट गया। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को आम आदमी पार्टी के जिन नेता की इलाज के दौरान मौत हुई है वह बिल्डिंग मटेरियल के कारोबारी भी थे। नगर निगम के पिछले चुनाव के दौरान उन्होंने वार्ड नंबर 14 राजेंद्र नगर से पार्षद का चुनाव भी लड़ा था। मोहल्ले में ही अभिषेक पांडेय के घर का निर्माण चल रहा था, जिसमें कुंज बिहारी ने बालू मिट्टी गिराया था। बीते 23 अगस्त की शाम के समय कुंज बिहारी अपने साले के साथ अभिषेक के घर पर बकाया 50000 मांगने गए थे। आरोप है कि इस दौरान अभिषेक अपने 10 से 12 साथियों साथ मिलकर कुंज बिहारी और उनके साले पर जानलेवा हमला कर दिया। इसमें कुंज बिहारी और उनका साला दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिवारिजनों ने दोनों को गोरखनाथ क्षेत्र के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घायल कुंज बिहारी की ओर से दी गई तहरीर पर गोरखनाथ थाने की पुलिस ने अभिषेक पांडेय , हिमाचल पांडेय और 12 अज्ञात खिलाफ हत्या की कोशिश करने के आरोप में मुकदमा भी दर्ज किया था। मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान कुंज बिहारी की मौत हो गई। इसके बाद परिवारिजन उग्र हो गए। वे अस्पताल के अंदर और बाहर हंगामा करने लगे। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने अस्पताल के कर्मचारियों से अभद्रता की। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

यह सारा बवाल मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे के आसपास हुआ। इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिवारिजन और आम आदमी पार्टी के सैकड़ों नेताओं ने जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। देखते ही देखते आप नेता के परिवारिजनों , आप कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प होने लगी। इस दौरान पथराव होने लगा। इसी बीच मामला शांत करने के लिए पुलिस लोगों को समझा भी रही थी। लेकिन लोग नहीं माने तो पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे एंबुलेंस से पोस्टमार्टम के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजने की कोशिश की। इससे भीड़ उग्र हो गई । सैकड़ों की भीड़ और पुलिस के बीच धक्का—मुक्की होने लगी। इस दौरान गोरखनाथ के एसएचओ शशि भूषण राय पथराव की चपेट में आ गए। उनके सिर में चोट आई। उनका सिटी स्कैन कराया गया। पुलिस ने बल प्रयोग कर शव को बीआरडी मेडिकल कॉलेज भिजवा दिया है।

कार की टक्कर से पुलिस वाहन पलटा, पीआरवी टीम का सिपाही और होमगार्ड घायल

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 233 पर मंगलवार दोपहर को देर को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। राम अवध स्मारक पीजी कॉलेज के पास गलत दिशा से आ रही एक अनियंत्रित अर्टिगा कार ने लिंक मार्ग से हाइवे पर चढ़ रही पीआरवी 1635 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीआरवी वाहन पलट गया और उसमें सवार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में पीआरवी पर तैनात सिपाही मंसाराम यादव और होमगार्ड जवान शेषनाथ गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना होते ही मौके पर अफरा—तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग भागकर मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर बसखारी थाने की पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी भेजा, जहां उनका इलाज जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अर्टिगा कार तेज रफ्तार में गलत दिशा से आ रही थी और अचानक लिंक मार्ग से हाइवे पर चढ़ते ही उसने पुलिस वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीआरवी वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे के बाद आसपास के लोग भयभीत हो गए और मौके पर काफी देर तक भीड़ जमा रही। फिलहाल पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे ने एक बार फिर से गलत दिशा से तेज रफ्तार से गाड़ियों के खतरे को उजागर कर दिया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0—32/2024

वीरेन्द्र प्रसाद

बनाम

राजू

1. राजू पुत्र स्व0 बेचू उम्र 53 साल ग्राम पकरीजई तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 24—09—2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 24 माह 09 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 26 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 /

धारा 116उ0प्र0रा0सं0—2006

अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला—संतकबीर नगर

मो0 उमर

बनाम

मो0 मारूफ आदि

1. मो0 मारूफ पुत्र मो0 यासीन 2. मतीन पुत्र जैश साकिन हफीमराई तप्पा पटना परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीर नगर 3. ग्राम सभा हफीमराई जरिये ग्राम प्रधान हफीमराई

तारीख पेशी 16—10—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

dkn 6 /

धारा 116उ0प्र0रा0सं0—2006

अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला—संतकबीर नगर

मनीषा

बनाम

गंगाराम आदि

1. गंगाराम 2. सालिकराम 3. बलिराम पुत्रगण दुखी 4. धर्मेन्द्र 5. विकाश पुत्रगण परशुराम 6. गीतमाला पत्नी परशुराम 7. जितेन्द्र चौधरी पुत्र तिलकराम 8. रामू पुत्र तिलकराम 9. श्यामू पुत्र तिलकराम 10. श्रीमती सूर्यमती पत्नी तिलकराम साकिनान मौजा फुलवरिया तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

11. घनश्याम 12. पंचराम 13. राधेश्याम 14. रामदीन 15. सियाराम 16. हरीराम पुत्रगण रामसुमेर साकिनान मौजा फुलवरिया तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 17. हरि प्रसाद 18. हनुमान प्रसाद पुत्रगण इन्द्रजीत साकिनान मौजा साथा तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 19. तारा प्रसाद पुत्र राम असारे साकिन फुलवरिया तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर 20. धनराज पुत्र बैजू साकिन हसवापार तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

21. ग्राम पंचायत फुलवरिया तप्पा गोपालपुर परगना बांसी पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर

—प्रतिवादी तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 11—09—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सड़क हादसे मे 65 वर्षीय कबाड़ी की मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। धनघटा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हैंसर बाजार कस्बे के पेट्रोल पंप के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 65 वर्षीय कबाड़ क्रेता गिरिजा प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना मंगलवार की है। गिरिजा प्रजापति क्षेत्र से कबाड़ लेकर अपनी दुकान होते हुए घर लौट रहे थे। धनघटा कस्बे के पेट्रोल पंप के पास धनघटा से शनिचरा बाजार की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना धनघटा थाने को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के परिजनों ने थाने पहुंचकर ट्रक चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी जयप्रकाश दुबे ने बताया कि ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विश्वविद्यालयों में शोध की स्थिति बेहतर नहीं, समाज के अनुकूल नहीं आ रहे परिणाम —आनंदीबेन पटेल

संवाददाता—गोरखपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शोध तो हो रहे हैं लेकिन समाज के अनुकूल परिणाम नहीं आ रहे हैं। प्रदेश में शोध की स्थिति बहुत बेहतर नहीं है, इस पर सबसे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। शोध के पेटेंट को कॉमर्शियल बनाने की जरूरत है। इसके लिए इंडस्ट्री को कैंपस में बुलाएं और छात्रों को भी इंडस्ट्री तक ले जाएं।

राज्यपाल ने कहा कि पूरे प्रदेश में अगले साल से दीक्षांत समारोह जुलाई से ही शुरू होंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय समय से रिजल्ट घोषित कर प्रवेश करा लें। वह सोमवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 44वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए दीक्षोपदेश दे रही थीं। इस दौरान उन्होंने 76 मेधावियों को गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि शोध के निष्कर्ष केवल प्रकाशित ही न हों बल्कि नगर निगम, जिलाधिकारी और सरकार तक पहुंचें तथा उनका व्यावहारिक उपयोग भी हो। अयोध्या में प्रदूषण पर किए गए शोध का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि निष्कर्ष निकालना पर्याप्त नहीं बल्कि उस पर आगे की कार्रवाई आवश्यक है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि आपकी उपस्थिति लैब, लेक्चर और लाइब्रेरी में अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। यूपी देश की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला प्रदेश है, इसलिए विश्वविद्यालयों को और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी, अन्यथा विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे। साथ ही उन्होंने महाविद्यालयों को समय पर प्रैक्टिकल और परीक्षाएं कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने कहा कि कई विश्वविद्यालयों में एमपी—एमएलए शिक्षक भी हैं। वे विश्वविद्यालय में उच्च पदों पर भी हैं जबकि उन्हें पांच साल का अवकाश मिलता है कि वे क्षेत्र में जाएं और समाज में सरकार की जनपयोगी कार्यों के बारे में जानकारी दें। उन्होंने सुझाव दिया कि यूनिवर्सिटी में राजनीति न करें। राज्यपाल ने कहा कि पहले विश्वविद्यालयों में प्रवेश, परीक्षा परिणाम के लिए एजेंसी से काम कराया जाता था। इसमें राज्य सरकार का 200 करोड़ रुपये खर्च होता था। उन्होंने इसके लिए समर्थ पोर्टल की व्यवस्था की। इससे 200 करोड़ रुपये बच गए। अब समर्थ पोर्टल को और बेहतर बनाने पर काम होना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने दी भाजपा को सलाह, कहा- इंपोर्टेड नेताओं से सावधान रहे पार्टी

संवाददाता—गोरखपुर। कैबिनेट मंत्री डॉक्टर संजय निषाद ने कहा कि भाजपा को सपा बसपा से आए इंपोर्टेड नेताओं से सावधान रहना चाहिए। मछुआ समाज के आरक्षण को लेकर दिल्ली में दसवीं स्थापना दिवस पर आवाज उठाया गया है। उन्होंने कहा कि हमने परिवारवाद नहीं किया। अपने बेटे को पद से हटाया है दूसरी पार्टी हटाकर देखे। उक्त बातें मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ संजय निषाद ने एनेक्सी भवन सभागार में पत्रकार वार्ता कर की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुए अधिवेशन में सर निषाद समाज एकजुट था। कुछ अहम फैसले लिए गए। उन्होंने कहा कि शुरू में हम अकेले थे कारवां आगे बढ़ता गया।

काफी संघर्षों के बाद सफलता मिली। पिछड़ों में हमारा नाम नहीं है। इसके लिए हम 75 जिलों में गए हैं संघर्ष किए हैं। 31 को हम जनजाति दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि हम लगातार आंदोलन कर रहे हैं 2013 से। रेल आंदोलन की हमें अनुसूचित जाति में लाने के लिए हम प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि शिल्पकारों को अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है हमको नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि हम अभी बिहार दौरा भी करेंगे। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने जयप्रकाश निषाद को हाथी से आए हुए का बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा अगर 403 का 403 टिकट के साथ समाज को देती है तो यह अच्छा है।

2024 में कुछ नहीं मिला 2027 में आगे देखना है मांगने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जयप्रकाश निषाद हमारी पार्टी में आए तो हम टिकट देंगे। उनका कहना था कि आरक्षण की आवाज उठाएं विधानसभा वगैरा हम उनके साथ चलेंगे, हम तैयार हैं। हम उनके पीछे चलने के लिए तैयार हैं।

उनका कहना था कि समाज को सही दिशा में हम ले चल रहे हैं इसका लाभ भाजपा को मिल रहा है। उनका कहना था कि भाजपा को लगता है कि हमसे फायदा नहीं है तो वह गठबंधन तोड़ सकती है। कोई पार्टी कोई नेता घमंड में ना रहे।

2018 की जीत याद रखनी चाहिए सपा बसपा एक हो गई थी हम भाजपा के साथ थे बहुत बड़ी जीत हुई। उन्होंने कहा कि हम भगवान राम को मानते हैं निषादराज के वंशज हैं। अगर आदित्य लोगों पर भाजपा को कार्रवाई करनी चाहिए। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री योगी हमारे मार्गदर्शक हैं एकता में बल होता है। एक सवाल के जवाब पर उन्होंने कहा कि हम राजनीति नहीं करेंगे तो और क्या करेंगे विधानसभा हमारा समाज जाएगा तो हम भी जाएंगे। समाज के लिए आंदोलन करेंगे। उनका कहना था कि पंचायत चुनाव में भी हम बढ़—चढ़कर हिस्सा लेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0 /

धारा 116उ0प्र0रा0सं0—2006

अदालत— श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय मेंहदावल जिला—संतकबीर नगर

श्रीमती सरोसती

बनाम

श्रीमती मेवाती आदि

बावत मौजा ककरही

1. श्रीमती मेवाती पत्नी ओम प्रकाश पाठक साकिन सिकोहरा तप्पा बखिरा तहसील खलीलाबाद परगना मगहर पूरब जिला—संतकबीरनगर 2. नगर पंचायत मेंहदावल जरिये अध्यक्ष नगर पंचायत मेंहदावल तप्पा व तहसील मेंहदावल जिला—संतकबीरनगर

तारीख पेशी 05—09—2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 05 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती

मूलवाद सं0—747/2020

ओम प्रकाश आदि

बनाम

ईश्वरदेव आदि

1. ईश्वरदेव दूबे 2. लाल बहादुर दूबे 3. लाल बिहारी दूबे पुत्रगण स्व0 चन्द्रभान 4. रमेश कुमार दूबे 5. राजेश कुमार दूबे 6. अजय कुमार दूबे पुत्रगण ईश्वरदेव दूबे 7. राहुल दूबे 8. अंकित दूबे 9. अनूप दूबे पुत्रगण लालबिहारी सभी निवासीगण ग्राम सौरूपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया पोस्ट पैकोलिया जिला—बस्ती 10. श्याम प्रकाश दूब पुत्र स्व0 तिलकराम दूबे निवासी ग्राम पकड़ी तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला—बस्ती 11. राम प्रकाश दूबे पुत्र स्व0 श्रीपत दूबे निवासी ग्राम सौरूपुर हाल मुकाम वार्ड नं0— बभनान तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 12. जय प्रकाश दूबे पुत्र स्व0 श्रीपत दूबे निवासी सौरूपुर तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया पोस्ट पैकोलिया जिला—बस्ती

तारीख पेशी 19—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय—श्रीमान ग्राम न्यायाल रूधौली जिला—बस्ती

मूलवाद सं0—01/2025

सत्यराम आदि

बनाम

रामकरन आदि

1. रामकरन उम्र करीब 36 साल 2. चिन्ताहरण उम्र लगभग 32 साल पुत्रगण रविनाथ निवासीगण मौजा मदरहना तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 08—09—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल अपील सं0—36/2023

अदालत— श्रीमान अपर जिला जज/एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला—बस्ती

रामलखन

बनाम

बनारसी

1/1 बबलू 1/2 रामू पुत्रगण बनारसी 2/1 जुगुल 3. मोती पुत्र जानकी 4/1/1 रोशन पुत्र सोहन लाल 4/1/2 ललाऊ पुत्र सोहन लाल 4/2 किसान 4/3 प्रहलाद पुत्रगण मुरली उर्फ मुन्नीलाल 4/4 विश्वनाथ पुत्र दुर्गा 5. नन्दा पुत्र मुन्नी लाल 6/1 महेन्द्र 6/2 प्रदीप पुत्रगण प्रेमी 6/3 शकुन्तला पत्नी प्रेमी 7/1 सूर्यलाल 7/2 संदीप 8. कल्पू पुत्र रामदरश 9/1 रमेश 9/2 बृजेश 9/3 सभागी पुत्रगण बहादुर 9/4 सीमा पुत्री बहादुर 12. मेवा 13/1 पप्पू 13/2 मिठाई पुत्रगण किशोरी 14/1 डब्लू 14/2 झिनकान पुत्रगण राजाराम 14/3 सावित्री पत्नी राजाराम निवासीगण मौजा बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29—08—2025

अपील बनराजी के अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 08 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 406/2024

न्यायालय— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान—बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

बैंक आफ बडौदा द्वारा श्री राजू कुमार यादव प्रबन्धक

बनाम

श्रीमती नीतू आदि

1. श्रीमती नीतू आयु लगभग 35 वर्ष पत्नी महेन्द्रनाथ निवासी ग्राम तेलौरा घाट पोस्टडड़वा घाट तप्पा पचहर परगना बांसी परूब तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर 2. श्रीमती गुड़िया आयु लगभग 38 वर्ष पत्नी रामलखन यादव निवासी ग्राम अजगरा पोस्ट पचहर बाजार तप्पा पचहर परगना बांसी परूब तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर 3. ओपेन्द्र प्रताप सिंह आयु लगभग 45 वर्ष पुत्र श्री नरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी ग्राम मुसुडी उर्फ रामनगर पोस्ट हनुमानगंज तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती हाल मुकाम मोहल्ला आजाद नगर पुरबौला माफी पोस्ट बांसी तप्पा असनार परगना बासी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

—प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष

4. अनिरूद्धनाथ त्रिपाठी आयु लगभग 50 वर्ष पुत्र रामसमुझ नाथ निवासी ग्रामतेलौरा घाट पोस्ट डड़वा घाट तप्पा पचहर परगना बांसी परूब तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर 5. विपिन सिंह आयु लगभग 40 वर्ष पुत्र नरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी तेलौरा घाट पोस्टडड़वा घाट तप्पा पचहर परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर

—प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

तारीख पेशी 28—08—2025

वादी ने आपके विरूद्ध आज्ञापक आदेश के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **28—08—2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 26.08. 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com